

प्रेषक,

राधा रतूड़ी,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
आई0सी0डी0एस0,
उत्तराखण्ड देहरादून।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास अनुभाग

देहरादून: दिनांक 30 जनवरी, 2015

विषय:-वित्तीय वर्ष 2014-15 में मुख्यमंत्री महिला सतत आजीविका योजना हेतु रू0 2.00 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 410/XVII(4)/2014/5(10)/14 दिनांक 24-02-2014 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के निराश्रित, विधवा एवं निर्बल वर्ग की महिलाओं एवं किशोरियों को उनकी आजीविका में आवश्यक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से निराश्रित विधवा एवं निर्बल वर्ग की महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करते हुए स्वात्मन की ओर अग्रसर किये जाने के लिये एक महत्वकांक्षी योजना "मुख्यमंत्री महिला सतत आजीविका योजना" संचालित की गई है।

2- इस सम्बन्ध में आपके पत्र संख्या-516/204/मु0म0म0स0आ0यो0/2014-15 दिनांक 31 दिसम्बर, 2014 के क्रम में "मुख्यमंत्री महिला सतत आजीविका योजना" के उद्देश्यों को पूर्ण किये जाने हेतु महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित उत्तराखण्ड महिला एवं बाल विकास समिति के माध्यम से योजना को क्रियान्वित/संचालित किये जाने हेतु मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में मुख्यमंत्री महिला सतत आजीविका योजना, संलग्नक-I एवं II में उल्लिखित विवरणानुसार प्रथम चरण में जनपद उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल, पिथौरागढ़ एवं हरिद्वार हेतु रू0 2.00 करोड़ (रुपये दो करोड़ मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3- शासनादेश दिनांक 24-2-2014 के प्रस्तर-6 में की गई व्यवस्थानुसार उत्तराखण्ड महिला एवं बाल विकास समिति के द्वारा आवश्यकता एवं मांग आधारित प्रशिक्षण हेतु तैयार मानक के अन्तर्गत जिला स्तरीय प्रशिक्षण की व्यवस्था संलग्नक-I एवं ग्राम स्तरीय/कलस्टर स्तरीय प्रशिक्षणकी व्यवस्था संलग्नक-II में दिये गये विवरण के अनुसार की जायेगी। संलग्नक-I एवं II में दिये गये प्रशिक्षणों के अतिरिक्त महिलाओं की स्थानीय आवश्यकताओं एवं मांग आधारित अन्य प्रशिक्षणों को भी सम्मिलित किया जा सकता है। उक्त प्रशिक्षणों को सरकारी/अर्द्धसरकारी, प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से कराया जायेगा।

4- शासनादेश दिनांक 24-2-2014 के प्रस्तर-7 में उक्त योजना के तहत निराश्रित विधवा एवं निर्बल वर्ग की महिलाओं का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति या अर्ह क्रियान्वयन एजेन्सियों के माध्यम से चयनित लाभार्थियों को समस्त प्रशिक्षणों की अवधि में मात्र रू0 1000/- (रू0 एक हजार मात्र) की ही धनराशि वजीफा (Stipend) के रूप में प्रदान की जायेगी। लाभार्थी को प्रशिक्षणोपरान्त व्यवसाय करने के लिये परिसम्पत्ति की पूर्ति/कय हेतु 50 प्रतिशत अग्रिम धनराशि के रूप में देय होगी। शेष 50 प्रतिशत की धनराशि का भुगतान सम्बन्धित एजेन्सी/फर्म को

जिलाधिकारी/अथवा उनके द्वारा नामित अधिकारी/एजेन्सी/संस्थान से चैक के माध्यम से की जायेगी।

5- व्यय किये जाने वाली धनराशि का उपयोग संलग्नक सूची में इंगित कार्यों हेतु ही किया जायेगा। जिन प्रकरणों पर शासन से पूर्वानुमति की आवश्यकता हो उन पर यथाशीघ्र सुस्पष्ट विवरण एवं प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

6- वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड V भाग-I के प्राविधानों के सभी समस्त औपचारिकतायें पूर्ण होने के बाद ही आवश्यकता के अनुसार धनराशि आहरित एवं वितरित की जायेगी।

7- इस सम्बन्ध में उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

8- इस सम्बन्ध में प्रमुख सचिव वित्त अनुभाग-1 उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश दिनांक 18-3-2014 में उल्लिखित शर्तों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

9- उक्त धनराशि व्यय करते समय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1055/XXXVII (1)/2014 दिनांक 30 दिसम्बर, 2014 में उल्लिखित शर्तों का कड़ाई से अनुपालन किया जाएगा।

10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय अनुदान संख्या-15 के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण-02-समाज कल्याण-103-महिला कल्याण-24-मुख्यमंत्री महिला सतत आजीविका योजना-00-आयोजनागत के मानक मद 42-अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

11- उक्त स्वीकृति वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1055/XXXVII (1)/2014 दिनांक 30 दिसम्बर, 2014 में प्रतिधानित अधिकारों के तहत निर्गत की जा रही है।

भवदीय,

(राधा रतूड़ी)
प्रमुख सचिव।

संख्या-54 /XVII(4)/2014/5/(10)/14 तददिनांक

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड ओबेराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. एकीकृत भुगतान एवं लेखा कार्यालय, (साइबर ट्रेजरी) 23, लक्ष्मी रोड़, डालनवाला देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-1/ वित्त नियोजन प्रकोष्ठ/राज्य योजना आयोग/ समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
5. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. उपाध्यक्ष, उत्तराखण्ड महिला एवं बाल विकास समिति, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(मायावती ढकरियाल)
संयुक्त सचिव।

शासनादेश संख्या **XVII(4)/2014/5(10)/2014** दिनांक जनवरी, 2015
मुख्यमंत्री महिला सतत् आजीविका योजना आवश्यकता एवं मांग आधारित प्रशिक्षण हेतु मानक आवासीय प्रशिक्षण जनपद स्तरीय

संलग्नक 1

क्र.सं	प्रशिक्षण का विवरण	प्रशिक्षण की अवधि	आवास एवं भोजन (प्रति व्यक्ति)	प्रशिक्षार्थी को वजीफा मात्र ₹0 1000/- प्रति लाभार्थी (पूर्ण प्रशिक्षण अवधि)	प्रशिक्षक हेतु मानदेय (अधिकतम 500/-) प्रति शैव	प्रशिक्षार्थियों हेतु आवश्यक सामग्री (प्रति व्यक्ति)	योग	प्रशासनिक व्यय का 10 प्रतिशत	योग (प्रति लाभार्थी)
		(दिनों में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)
	01	02	03	04	05 (02X500)	06	07 (2X3+4+5+6)	08	09 (7+8)
1	डेरी मैनेजमेंट	7	300	1000	3500	50	6650	665	7315
2	मधुमक्खी पालन	7	300	1000	3500	50	6650	665	7315
3	कुक्कुट पालन	7	300	1000	3500	50	6650	665	7315
4	जड़ी बूटी	7	300	1000	3500	50	6650	665	7315
5	हस्तकला	7	300	1000	3500	50	6650	665	7315
6	कढ़ाई	7	300	1000	7500	50	13050	1305	14355
7	खाद्य प्रसंस्करण	15	300	1000	7500	50	13050	1305	14355
8	मशरूम उत्पादन	15	300	1000	7500	50	13050	1305	14355
9	कढ़ाई बुनाई	21	300	1000	10500	50	17850	1785	19635
10	सिलाई	30	300	1000	15000	50	25050	2505	27555
11	बूटी पालन	30	300	1000	15000	50	25050	2505	27555
12	उद्योगिता विकास प्रशिक्षण (न्यूनतम 1 सप्ताह अधिकतम 3 माह)	90	300	1000	45000	50	73050	7305	80355

नोट:- प्रति लाभार्थी को पूर्ण प्रशिक्षण की अवधि में मात्र ₹0 1000/- वजीफे के रूप में देय होगा।

(राधा रतूड़ी)
प्रमुख सचिव

शासनादेश संख्या XVII(4)/2014/5(10)/2014 दिनांक जनवरी, 2015
मुख्यमंत्री महिला सतत्आजीविका योजना आवश्यकता एवं मांग आधारित प्रशिक्षण हेतु मानक ग्राम स्तरीय/कलस्टर स्तरीय प्रशिक्षण

संलग्नक 1

प्रशिक्षण का विवरण	प्रशिक्षण की अवधि	भोजन एवं जलपान (प्रति व्यक्ति)	यात्रा भत्ता प्रति लाभार्थी अधिकतम	प्रशिक्षार्थी को वजीफा मात्र ₹ 1000/- प्रति लाभार्थी (पूर्ण प्रशिक्षण अवधि)	प्रशिक्षक हेतु मानदेय (अधिकतम ₹ 500/-) प्रति दिवस	प्रशिक्षार्थियों हेतु आवश्यक सामग्री (प्रति व्यक्ति)	योग	प्रशासनिक व्यय (कुल व्यय का 10 प्रतिशत)	कुल योग (प्रति लाभार्थी)
	(दिनों में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)	(रुपये में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. मेनेजमेंट	7	100	50	1000	(02X500) 3500	50	(2X3+4+5+6+7) 4900	490	(7*8) 5390
मकखी पालन	7	100	50	1000	3500	50	4900	490	5390
स्कुट पालन	7	100	50	1000	3500	50	4900	490	5390
झी बूटी	7	100	50	1000	3500	50	4900	490	5390
तकला	7	100	50	1000	3500	50	4900	490	5390
झाई	7	100	50	1000	7500	50	9300	930	10230
घा प्रसंस्करण	15	100	50	1000	7500	50	9300	930	10230
गरूम उत्पादन	15	100	50	1000	10500	50	12600	1260	13860
ताई बुनाई	21	100	50	1000	15000	50	17550	1755	19305
ताई	30	100	50	1000	15000	50	17550	1755	19305
टि पालर	30	100	50	1000	45000	50	50550	5055	55605
द्यमिता विकास प्रशिक्षण (न्यूनतम सप्ताह अधिकतम 3 माह)	90	100	50	1000					

टि:- प्रति लाभार्थी को पूर्ण प्रशिक्षण की अवधि में मात्र ₹ 1000/- वजीफे के रूप में देय होगा।

(राधा रतूड़ी)
 गणपत मन्डल